पाठ्यक्रम संरचना कक्षा: IX (2020-2021)

विषय: सामाजिक विज्ञान(मध्यावधि परीक्षा हेतु)

(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या. 087)

क्रम संख्या	विषय	अंक
I	इतिहासः भारत व समकालीन विष्व–1	20
मध्यव्म्मII	भूगोलः समकालीन भारत–1	20
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–1	20
IV	अर्थशास्त्र	20
	कुल	80
	आंतरिक मूल्यांकन(वार्षिक परीक्षा हेतु)	20
पूर्णांक		100

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
इतिहासः भारत व समकालीन विश्व–1	अध्याय–1 फ्रांसीसी क्रांति अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में फ्रांसीसी समाज, क्रांति की शुरुआत, फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणराज्य की स्थापना, क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति हुई, दास प्रथा का उन्मूलन, क्रांति और रोजाना की जिंदगी, सारांश।	• क्रांति से संबन्धित लोगों के नामों, विभिन्न विचारों जिन्होंने क्रांति को प्रोत्साहित किया तथा उन वृहद बलों से परिचित होना जिन्होंने क्रांति को मूर्त रूप प्रदान किया। • क्रांति के इतिहास की पुनःप्राप्ति के लिए लिखित, दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।
भूगोलः समकालीन भारत–1	अध्याय–1 भारतः आकार और स्थिति भारत की ग्लोब पर स्थिति, आकार व क्षेत्रफल, अक्षांशीय व देशांतरीय अवस्थिति, मानक मध्याह्न रेखा, हमारे पड़ोसी देश, हिन्द महासागर में भारत की केन्द्रीय स्थिति।	• भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की अवस्थिति की पहचान।
भूगोलः समकालीन भारत–1	अध्याय–2: भारत का भौतिक स्वरुप भूगर्भीय प्लेट तथा उनकी गतियाँ, उच्चावच, मुख्य भौगोलिक इकाइयाँ – विशेषताएँ, हिमालय का निर्माण, उत्तरी मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, तटीय मैदान, भारतीय मरुस्थल, द्वीप समूह।	प्रमुख स्थलाकृतियों की विशेषताओं, अंतर्निहित भूगर्भिक संरचनाओं, विभिन्न चट्टानों से उनके संबंध तथा खनिजों एवं मृदा के प्रकारों को समझना।
भूगोलः समकालीन	अध्याय–3: अपवाह अध्याय –3 अपवाह के सैद्वांतिक पक्ष	• देश के नदी तंत्र की पहचान करना।

भारत–1	मूल्याकंन आवधिक परीक्षा व वार्षिक परीक्षा में नहीं किया जाएगा। परंतु दिए गए मानचित्र कार्य का मूल्यांकन किया जा सकता है।	
भूगोल समकालीन भारत–1	अध्याय–4: जलवायु जलवायु, जलवायवी नियंत्रण, भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, भारतीय मानसून, मानसून का आगमन एवं वापसी, ऋतुएँ, वर्षा का वितरण, मानसून एकता का परिचायक।	• जलवायु को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को पहचानना तथा हमारे देश के जलवायविक बदलावों, इसके लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की पहचान। • मानसून की एकता में भूमिका तथा महत्व का वर्णन।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	अध्याय–1 लोकतन्त्र क्या ? लोकतन्त्र क्यों ? लोकतन्त्र क्या है?लोकतन्त्र की विशेषताएँ, लोकतन्त्र हीं क्यों? लोकतन्त्र का वृहत्तर अर्थ।	• लोकतन्त्र को परिभाषित करने के अवधारणात्मक कौशलों का विकास। • लोकतन्त्र को विकसित करने की विभिन्न एतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों की समझ। • सामान्य पूर्वाग्रहों के विरुद्ध लोकतन्त्र के परिष्कृत बचाव का विकास। • भारत में लोकतन्त्र के चुनाव और प्रकृति की एतिहासिक समझ का विकास।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	अध्याय–2 : संविधान निर्माण दक्षिण अफ्रीका में लोकतंत्रिक संविधान, हमें संविधान की जरूरत क्यों है? भारतीय संविधान का निर्माण, भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य।	• संविधान निर्माण की प्रक्रिया की समझ। • संविधान के प्रति आदर और संवैधानिक मूल्यों की सराहना का विकास। • संविधान की एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज़ के रूप में पहचान।
अर्थशास्त्र	अध्याय–1 पालमपुर की कहानी पालमपुर में आर्थिक क्रियाकलाप, उत्पादन प्रक्रिया तथा उसके कारक ;भूमि, श्रम तथा पूँजी, पालमपुर में विभिन्न कृषि एवं गैर–कृषि आर्थिक कार्य।	• एक काल्पनिक गाँव की कहानी के द्वारा मौलिक, आर्थिक अवधारणा से परिचित होना।
अर्थशास्त्र	अध्याय–2 संसाधन के रूप में लोग लोग संसाधन कब बनते हैं? पुरुषों व महिलाओं के आर्थिक क्रियाकलाप, महिलाओं के अवैतनिक घरेलू कार्य, स्वास्थ्य और शिक्षा की भूमिका, बेरोजगारी तथा इसके सामाजिक–राजनैतिक परिणाम।	• जनसांख्यिकीय अवधारणा की समझ। • जनसंख्या का किसी देश के लिए एक संपत्ति या दायित्व के रूप में समझ।

नोट : इतिहास व भूगोल के पाठों से सम्बंधित मानचित्र कार्य।